हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 20 मई 2025

11 दैनिक रेलयात्री संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन...

12 नागरिक अस्पताल का दर्जा मिलने के 5 साल बाद...

भीषण गर्मी की चपेट में जिला महेंद्रगढ़ आमजन के साथ पशु भी परेशान

- गर्मी व लू के चलते पशुओं की दूध उत्पादन क्षमता हुई कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। बाइक पर बर्फ लेकर जाते हुए। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम शुष्क बना हुआ। वहीं झुलसाने वाली गर्मी व हीट वेव लू अपने तेवरों को प्रचंड रूप धारण किए हुए हैं। आसमान से आग बरस रही है। जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उफान देखने को मिल रहा है। वर्तमान में थार मरुस्थल से सीधी गर्म और शुष्क पश्चिमी हवाएं चलने से साथ ही सूर्य की तपिश बढ़ने से सम्पूर्ण इलाके में लगातार झुलसाने वाली गर्मी अपने तेवर दिखा रही हैं। हालांकि सोमवार रात को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने से पंजाब पर एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने से 20 से 23 मई के दौरान पंजाब से सटे जिलों व पूर्वी जिलों पर मौसम में बदलाव तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ की संभावना बन रही है। वहीं दूसरी ओर पश्चिमी दक्षिणी हिस्सों में आंशिक बादलवाही और तेज गति से हवाएं अंधड़ चलने की तथा केवल बिखराव वाली कहीं कहीं बूंदाबांदी की संभावना है।

हालांकि धीरे धीरे पश्चिमी हवाएं दक्षिणी पश्चिमी होने से सम्पूर्ण इलाके में झुलसाने वाली गर्मी के स्थान पर उमसभरी पसीने छुटाने वाली गर्मी से आमजन को रूबरू होना पड़ेगा। 23 मई को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर सक्रिय होने व 24 मई को अरब सागर पर एक डिप डिप्रेशन बनने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। जिससे सम्पूर्ण इलाके में बढ़ती हुई गर्मी व तापमान में गिरावट की संभावना बन रही है। साथ ही 28 मई को बंगाल की खाड़ी में भी हलचलें होंगी। जिसकी वजह से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों में विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में फिर से मौसम में बदलाव की संभावना बन रही है। इस दौरान 25 मई को नौतपा भी शुरू होने जा रहा है, लेकिन इस बार नौतपा में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। नौतपा से पहले ही सम्पूर्ण मैदानी राज्यों में विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में तापमान में बढ़ोतरी जारी है।

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि सोमवार को भी हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन व रात का तापमान सामान्य से अधिक रहा। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन के तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बने हुए। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में हिसार का तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सिरसा व भिवानी के दिन का तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस, जबकि नारनौल का दिन का तापमान 44.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दूसरी तरफ रात के तापमान भी 25.0 डिग्री सेल्सियस से 32.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन का तापमान क्रमशः 44.5, 28.8 डिग्री सेल्सियस व 43.8, 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गर्मियों की छुट्टियां जल्द करने की मांग

नारनौल। पार्षद नितिन चौधरी ने सरकार से बच्चों की गर्मियों की छुट्टी 20 मई से करवाने की घोषणा की अपील की हैं। नितिन चौधरी ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से तापमान में काफी इजाफा हुआ हैं और लगातार तापमान 42 से 44 डिग्री तक पहुंच चूका हैं, जबकि पूर्वानुमान अनुसार यह 47 डिग्री तक पहुंचने के आसार हैं। ऐसे में स्कूल जाकर बच्चों में पानी व ग्लूकोज की कमी के कारण चक्कर, बेहोशी या उलटी जैसी दिक्कते बढ़ सकती हैं। यह दिक्कत कम प्रतिरोधात्मक वाले प्राइमरी विद्यार्थियों में नहीं अपितु बड़े बच्चों में भी होना आम बात हैं। स्कूल जाने व आते समय के चलती हीट वेव से न केवल बच्चे अपितु बस स्टॉप से लेने गए अभिभावकों को भी भारी दिक्कत का सामना कर पड़ रहा हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूल तथा कॉलेज में यह छुट्टियां सुनिश्चित करें।

लू लगने की बन रही संभावना

कनीना। ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी को देखते हुए अभिभावकों ने शिक्षा संस्थाओं के ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने की मांग की है। उन्होंने बढ़ती गर्मी के कारण नौनिहालों को होने वाली परेशानियों के मद्धेनजर सरकार व शिक्षा विभाग से ग्रीष्मकालीन अवकाश जल्द घोषित करने अथवा स्कूलों के समय में परिवर्तन की मांग की है। अभिभावक रामोतार, रोशनलाल, हरीशचंद, रामनरेश, दीपक, संजय कुमार व संजय शर्मा अभिभावकों ने प्रदेश सरकार से ग्रीष्मावकाश घोषित करने की मांग की है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने की मांग

नारनौल। क्षेत्र में गर्मी की तपीश परेशान बच्चों की तरफ देखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने अथवा स्कूलों के समय में परिवर्तन करने की मांग उठने लगी है। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने बढ़ती गर्मी के कारण नौनिहालों को होने वाली परेशानियों के मद्धेनजर सरकार व शिक्षा विभाग से ग्रीष्मकालीन अवकाश जल्द घोषित करने अथवा स्कूलों के समय में परिवर्तन की मांग की है। अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि इस सन्दर्भ में मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री व निदेशक शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर मांग की है कि हरियाणा में स्कूलों की छुट्टियां अथवा समय में परिवर्तन के आदेश जारी किए जाए। पत्र में लिखा है कि बढ़ती गर्मी के बीच स्कूली बच्चों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ रही है। अभी ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने में 10 दिन से अधिक का समय है, लेकिन तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। भीषण धूप और लू के थपेड़ों के बीच मासूम बच्चे रोजाना स्कूल जाने आने को मजबूर हैं। इससे अभिभावको को गर्मी से उनके बच्चों की तबीयत खराब होने की उन्हें चिंता लगी हुई है। बच्चों की स्कूल से जिस समय दोपहर में छुट्टी होती है, उस समय तापमान बहुत अधिक रहता है। भयानक गर्मी के बावजूद स्कूलों में छुट्टी शिखर दोपहर में होने के कारण बच्चों के लूं लगने की सम्भावना बनी रहती है। चढ़ते सूरज की तपिश और गर्म हवाओं के बीच घर लौटते समय बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ट्रस्ट के सदस्य जितेन्द्र भारद्वाज, राकेश शर्मा, भीमसेन, अमित शर्मा, अनुपमा, मीना शर्मा, रवीना सोनी, अजय कुमार, अभिभावक गजल कुमारी, अरुण कुमार, विनय, नवीन सहित अनेक लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए स्कूलों की छुटियां की जाए या फिर स्कूलों को सुबह के समय तक सीमित किया जाए।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए अदालत आज

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष बिजली अदालत का आयोजन 20 मई को किया जाएगा। सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में आयोजित होने वाली अदालत के बारे में अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि बिजली अदालत सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित की जाएगी। हुड्डा ने बताया कि इस अदालत में उपभोक्ता बिजली कनेक्शन से संबंधित शिकायतों व बिजली बिल से जुड़ी समस्याओं को सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बिजली अदालत का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को त्वरित व पारदर्शी समाधान प्रदान करना है। अधीक्षक अभियंता ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर सर्कल कार्यालय में पहुंचकर अपनी समस्याएं रखें और इस पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

सड़क हादसे में किसान की मौत

महेंद्रगढ़। गांव डालनवास के समीप रात के खेतों की रखवाली के लिए जा रहे किसान को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। उपचार के दौरान किसान की मौत हो गई है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव डालनवास निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि उसका भतीजा हंसराज खेत में फसल की आवारा पशुओं से रखवाली करने के लिए गया हुआ था। वह रात को करीब सवा बारह बजे खेतों में गया था। रात को करीब दो बजे उसे सूचना लगी कि बस स्टैंड के पास दादी सती मोड के नजदीक हंसराज का एक्सीडेंट हो गया। सूचना पाकर वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचा। जहां पर उसका भतीजा हंसराज रोड पर पड़ा हुआ था। परिजन घायल हंसराज को इलाज के लिए महेंद्रगढ़ लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

अज्ञात वाहन की चपेट से व्यक्ति की मौत

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र अज्ञात वाहन की समेत में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। गढ़ीरुथल निवासी रामपाल ने पुलिस में दर्ज शिकायत में बताया कि उसका छोटा भाई रामनिवास रविवार रात्रि को लगभग साढ़े दस बजे घर से गया था। अगले दिन सोमवार को सूचना मिली कि उसके भाई को रात्रि लगभग एक बजे अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाह तरीके से महासर पावर हाऊस के पास घायल कर दिया। उसके बाद उसके भाई को एंबुलेंस की सहायता से अटेली अस्पताल लाया गया। उसके बाद वहां उपस्थित डॉक्टरों ने उसके भाई को मृत घोषित कर दिया। अटेली पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

हरिभूमि सहेली

हर कोई जीवन में सफलता चाहता है, नित्य सफलता की नई-नई ऊंचाइयां छूना चाहता है। इसके लिए सबसे जरूरी है आपका कॉन्फिडेंस लेवल स्ट्रॉन्ग हो। यह तभी संभव है, जब हम इसके लिए कॉन्शस रहेंगे, बड़े नहीं पहले छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करेंगे। इन्हें पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहेंगे, खुद को तो मोटिवेट करेंगे ही, दूसरों को भी मोटिवेट करेंगे।

सफलता की कुंजी सेल्फ-कॉन्फिडेंस

कवर स्टोरी

घनश्याम बादल

सही कहा गया है, 'इंसान तब नहीं हारता जब वह हार जाता है, वह तब हारता है, जब वह हार मान लेता है।' यदि इस बात को गहराई से समझा जाए तो स्पष्ट रूप से समझ में आ जाता है कि इंसान की हार तभी होती है, जब उसका कॉन्फिडेंस यानी आत्मविश्वास डगमगा जाता है। यह एक वास्तविकता है, इंसान की सक्सेस में उसके कॉन्फिडेंस का बहुत बड़ा रोल होता है। कॉन्फिडेंस की ताकत हमें लाइफ में कड़े से कड़े चैलेंज का सामना करने और सक्सेस की ओर बढ़ने में मदद करती है। कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं कि व्यक्ति अपना कॉन्फिडेंस खो बैठता है। आसान-सी परिस्थितियों को बहुत मुश्किल समझ कर खुद को 'स्ट्रेस' में डाल लेता है। इसीलिए इस बात का जानना बहुत जरूरी है कि हम अपना कॉन्फिडेंस कैसे बनाए रखें, इसे कैसे बढ़ाएं भी?

जरूरी है मन में दृढ़ संकल्प: कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए सबसे पहले अपने सोचने का तरीका और आदतें बदलना बहुत जरूरी है। साथ ही साथ मन में एक दृढ़ संकल्प का होना भी जरूरी है कि हमें यह काम करना ही है, हर हाल में सक्सेस हासिल करनी ही है। साथ ही 'भले ही मैं हार जाऊं, लेकिन हार नहीं मानूंगी' का भाव भी हमारे भीतर बना रहना चाहिए।

स्वयं को पहचानें और स्वीकारें: आत्मविश्वास प्राप्त करने का पहला तरीका है कि खुद जैसी हैं, वैसा ही स्वीकार करें। इसी के साथ निरंतर अपनी क्षमताओं को निखारने का प्रयास करें। आत्मचिंतन करें और अपनी सोच को हमेशा सकारात्मक बनाए रखें।

नेगेटिविटी से बचें: नेगेटिविटी हमें नाकामयाबी की ओर ले जाती है। दूसरे की सक्सेस हमारे भीतर ईर्ष्या पैदा करती है, इसलिए नेगेटिव थिंकिंग से बचें और अपनी उपलब्धियों पर ध्यान दें। अपने बारे में पॉजिटिव बातें सोचें, ऐसे लोगों के साथ रहें, जो पॉजिटिव सोच रखते हैं, हमें इंस्पायर करते हैं।

कुछ नया सीखें: यदि आप चाहती हैं कि आपका कॉन्फिडेंस हमेशा बना रहे तो खुद को अपडेट रखें। नई-नई स्किल्स सीखें, अपने प्रोफेशन से जुड़ी बुक्स पढ़ें और अपना स्किल डेवलप करती रहें। किसी भी फील्ड में महारत हासिल करना आपके कॉन्फिडेंस को बढ़ाने में मदद करता है। कभी भी नए काम, नया लक्ष्य, नई तकनीक से डरे नहीं, इसे आगे बढ़कर अपनाएं। यह प्रवृत्ति आपको सफलता की राह पर आगे बढ़ाती रहेगी।

असफलता से डरें नहीं: जीवन में सफलता के साथ असफलताएं भी मिलती हैं। असफलताओं से कभी डरें नहीं, इन्हें सीखने का अवसर समझें, मतलब गलतियों से सीखें और अगली बार बेहतर से बेहतर करने का प्रयास करें। हर छोटी से छोटी सफलता को सेलिब्रेट करें, इससे आपका मनोबल बढ़ेगा।

मोटिवेशनल बनें: जीवन में मोटिवेशन यानी अभिप्रेरणा का बहुत बड़ा रोल होता है। अच्छे कामों के लिए स्वयं को तो मोटिवेट करें ही, साथ ही अपने साथियों को भी इसके लिए मोटिवेट करें। मोटिवेशनल बुक्स पढ़ें, वीडियो देखें और पॉडकास्ट सुनें। अपने रोल मॉडल की पर्सनालिटी से इंस्पायर हों।

कभी दूसरों से तुलना न करें: जीवन में कॉन्फिडेंस के डगमगाने की एक बड़ी वजह यह भी होती है, दूसरों के साथ अपनी तुलना। इस बात को समझें कि आपकी अपनी एक अलग पर्सनालिटी है, गुण-अवगुण हैं। इसलिए अपनी तुलना कभी दूसरों से न करें। अपनी प्रोग्रेस पर ध्यान दें, इसमें लगातार सुधार करती रहें। हर व्यक्ति की अपनी विशेषताएं होती हैं, आप भी अपनी विशेषताओं को पहचानकर उन्हें निखारें, अपने करियर को नई ऊंचाई दें।

बॉडी लैंग्वेज भी है इंपॉर्टेंट

आपका कॉन्फिडेंस केवल आपके काम में ही नहीं, आपके हाव-भाव में भी दिखना

चाहिए। इसलिए किसी से मिलते, बात करते समय अपनी बॉडी लैंग्वेज का ध्यान रखें, सही मुद्राएं अपनाएं, सामने वाले से आंखों से आंखें मिलाकर बात करें, अच्छा हो चेहरे पर मुस्कान भी हो। सबसे बड़ी बात समस्याओं से भाग कर नहीं, उनका सामना करके, उनका हल निकालने की सकारात्मक सोच रखें। इससे आपकी सभी समस्याओं का हल अवश्य निकलेगा।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं: मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का प्रभाव हमारे आत्मविश्वास पर गहरे रूप से पड़ता है। इसलिए आत्मविश्वास के लिए जरूरी है कि हम मानसिक-शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नियमित व्यायाम करें, इससे मानसिक मजबूती भी बढ़ती है, साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सही खान-पान अपनाएं और पर्याप्त नींद लें। मानसिक स्वास्थ्य के लिए चित्त को शांत रखें। नित्य ध्यान-योग करें, इससे मानसिक शांति मिलेगी।

बनाएं छोटे-छोटे लक्ष्य: हमेशा आत्मविश्वास से भरी रहें, इसके लिए अच्छा यही है कि आप लंबे-लंबे लक्ष्य निर्धारित न करके छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं और इन्हें पूरा करने की आदत बनाएं। हर पूरा हुआ लक्ष्य आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। छोटे-छोटे लक्ष्य के बाद धीरे-धीरे बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ें। आप जरूर सफल होंगी।

खुद को दें चैलेंज: कभी भी नए एक्सपीरियंस लेने से घबराएं नहीं। अपने डर का मुकाबला करें, इनसे सीखें। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि

जीवन में जितने डर होते हैं, उनमें से केवल एक या दो प्रतिशत ही सही निकलते हैं, इसलिए कभी डरिए नहीं। डर की वजह से खुद को सीमाओं में न बांधें, निरंतर नए अवसरों की तलाश में रहें। यह सोच आपको सफलता के शिखर पर पहुंचाएगी।

जीत का जश्न मनाएं हार से उबरना सिखाएं

यह सच है कि जीवन में हार-जीत लगी रहती है। लेकिन कुछ पैरेंट्स अपने बच्चे से हमेशा जीतने, फर्स्ट आने की ही उम्मीद करते हैं, हारने पर उसे ताने देते हैं। इससे बच्चे का मनोबल टूटता है। बच्चे को जीत-हार का महत्व समझाने के लिए जरूरी है कि जिस तरह उसकी जीत का जश्न मनाया जाए, उसी तरह उसे हार से उबरना भी सिखाया जाए।

बच्चे और आप

नीलम अरोड़ा

अधिकतर पैरेंट्स, अपने बच्चे की सफलता पर जितनी सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं, उसकी असफलता पर वे बहुत निराश हो जाते हैं। इसका बच्चों की मानसिकता पर बहुत गहरा असर पड़ता है। अगर आप जीतने पर बच्चों को जश्न मनाना, और अपनी खुशी दूसरों के साथ बांटना सिखाते हैं तो हार का सामना करना और उससे उबरना भी सिखाना होगा। आपको समझना होगा कि हम सभी प्रयास करने के बाद भी जीवन के किसी न किसी क्षेत्र में पीछे रह ही जाते हैं। ऑफिस में भी हम हर काम को अच्छे से परफॉर्म नहीं कर पाते। लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि हम हिम्मत हारकर बैठ जाते हैं, जैसे हम जिंदगी की असफलताओं से दिन-रात जूझते हैं, ठीक उसी तरह हमें अपने बच्चों को भी फेल होता देखकर न तो स्वयं निराश होना चाहिए, न ही उन्हें निराश होने देना चाहिए। पैरेंट्स होने के नाते हमें बच्चों को बताना चाहिए कि हारना ही हम सबको जीतना सिखाती है। बच्चों को हार से उबारने और उनसे पार पाने के लिए हम आपको बता रहे हैं कुछ खास बातें, जिन्हें आपके लिए जानना जरूरी है।

सभी बच्चे एक जैसे नहीं होते: अगर आपका बच्चा किसी कठिन कार्य को जल्दी सीख नहीं पाता, तो इसके लिए उसे दोष नहीं देना चाहिए। क्योंकि हर बच्चे की प्रतिभा अलग-अलग होती है। हो सकता है आपका बच्चा खेल में अच्छा हो और पढ़ाई में औसत। इस बात को जब आप स्वयं स्वीकार करेंगे, तभी तो बच्चे को समझा पाएंगे। जहां उसकी प्रतिभा छुपी है, उसे उसी रास्ते पर आगे बढ़ने में मदद करें।

हारने-जीतने पर दें सही प्रतिक्रिया: कई पैरेंट्स जब अपने बच्चों के साथ घर में खेलते हैं तो उसकी खुशी के लिए, जानबूझकर हर बार हारते हैं। ऐसा करना गलत है, बच्चे को जीतने के साथ ही हार का सामना करना भी आना चाहिए। इसलिए जब आप बच्चे के साथ खेलें तो जानबूझकर उससे न हारें। अगर वो हार रहा है तो हारने के समय हौसला कैसे बनाए रखना है, इसकी प्रैक्टिस भी बतौर पैरेंट्स आपको जरूर करानी चाहिए। जिस तरह बच्चे के जीतने पर आप उसे खूब बधाई देती हैं, उसे सीने से लगा लेती हैं, क्या हारने पर उससे कुछ नहीं कहतीं? उसका हौसला बढ़ाने के लिए, उसे फिर से प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करती हैं? अगर आप इस तरह की प्रतिक्रिया देती हैं तो इसका बच्चे के मन पर सीधा असर होता है। इसलिए बच्चे के हारने या जीतने पर आपको कैसी प्रतिक्रिया देनी है, यह बात आपको जरूर समझनी चाहिए।

बच्चे को सपोर्ट करें: अगर बच्चे किसी भी प्रतिस्पर्धा या किसी खेल में जीत हासिल करने की ठान लेते हैं तो वे अपना जी जान लगा देते हैं। लेकिन जीतना एक कला है। जीतने के लिए योजना बनानी पड़ती है। ठीक उसी तरह, जैसे परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए एक टाइम टेबल बनाकर लगातार मेहनत करनी होती है। जिस तरह पढ़ाई में अच्छे मार्क्स लाने के लिए आप बच्चे को गाइड करती हैं, उसकी हेल्प करती हैं। उसी तरह किसी भी कार्य में अच्छा प्रदर्शन करने या जीतने की उसकी योजना को सफल बनाने में भी आपका बहुत बड़ा रोल हो सकता है। इसलिए जितना अधिक संभव हो बच्चे को सपोर्ट करें।

हार से निकलती है जीत की राह: अगर आपका बच्चा किसी प्रतियोगिता में असफल रह जाए तो उसे उलाहना देने या दोष देने के बजाए, उसे हिम्मत दें। अगर बच्चा अपनी हार पर अफसोस जताए और कई दिनों तक हार के कारण अवसाद में रहे तो उसे समझाएं कि हार, सफलता की सीढ़ी पर चढ़ने का एक रास्ता है। उसे अगली बार ज्यादा तैयारी करने और निश्चित रूप से जीत हासिल करने के लिए प्रेरित करें। बच्चे को समझाएं कि इंसान कोशिश करता है, असफल होता है और फिर से कोशिश करता है।

मैरीड लाइफ

संध्या सिंह

शायद ही कोई ऐसे पत्नी-पत्नी हों, जिनके बीच तकरार न होती हो। तकरार के कारणों का लंबे समय तक बना रहना, दांपत्य जीवन के लिए घातक है। दंपती टकराहट से बचकर आपसी सामंजस्य और सौहार्द से सुखी दांपत्य जीवन की राह पर आएं। ऐसा करना कठिन नहीं है।

कहीं आप हमेशा तकरार के अंदाज में तो नहीं रहते

पति-पत्नी के रिश्ते में अकसर तकरार होती ही रहती है। कोई भी नई-नवेली दुल्हन जब ससुराल में कदम रखती है तो उसे यहां आकर अपने सास-ससुर, देवर-देवरानी, ननद, जेठ-जेठानी और उनके बच्चों से अपने रिश्ते निभाने पड़ते हैं। साथ ही उसे अच्छी, सर्वगुण संपन्न सुशील बहू का भी रोल निभाना पड़ता है। घर-परिवार में पति-पत्नी के अलावा घर के दूसरे सदस्यों से भी कहा-सुनी हो ही जाती है, इसका इन रिश्तों पर जहां बुरे प्रभाव पड़ते हैं, पति के साथ भी तकरार, कलह-तनाव का कारण बनती है। लेकिन समझदार दंपती अपने दांपत्य को मधुर बनाए रखने के लिए सामंजस्य बैठाकर चलते हैं।

पति के माता-पिता को लेकर गुस्सा न करें: अकसर पति-पत्नी के बीच कलह का कारण पति द्वारा अपने माता-पिता को प्रेम और सम्मान देना होता है। कई पत्नियां ऐसी होती हैं, जिन्हें यह बात गले नहीं उतरती कि उनका पति अपने माता-पिता की सारी ख्वाहिशों को पूरा करे। अगर पति अपने माता-पिता पर खर्च करे, ऐसे में पत्नी कुछ ऐसी स्थितियां पैदा करती है कि दोनों के बीच उन्हें लेकर तकरार हो ही जाती है। पत्नी को समझना चाहिए कि पति पर उसके माता-पिता का अधिकार, पत्नी से भी कहीं ज्यादा है। माता-पिता ही उसकी जन्म से परवरिश करते हैं, दुनिया से रूबरू कराते हैं, निश्चित ही वे प्रेम और आदर के अधिकारी हैं। ऐसे में पति द्वारा अपने माता-पिता पर ध्यान देने पर पत्नी को कलह नहीं करनी चाहिए।

ओवर रिएक्ट करने से बचें: अकसर पत्नियां घर में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी की बातों और तानों को सुनकर गुस्से से जवाब देती हैं। इससे कई बार लड़ाई की नौबत भी आ जाती है। उनकी बातों पर ओवररिएक्ट करने के बजाय जहां बातें हो रही हों, वहां से उठकर चली जाएं। कहते हैं न, जहां दो बर्तन होते हैं, वो एक-दूसरे से टकराते ही हैं। तो ये रिश्ते भी ऐसे होते हैं, जिनमें थोड़ी बहुत तकरार चलती है। आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहे, इसलिए कुछ मामलों में चुप्पी साधना ही बेहतर है।

सही समय पर करें शिकायत: पति के मूड को देखकर सोच-समझकर बोलना चाहिए। पति के ऑफिस से लेट आने, दोस्तों के साथ इधर-उधर घूमने के कारण भी कुछ पत्नियां कलह करती हैं। पत्नी को चाहिए कि वह भीतर से भले ही गुस्सा हो, लेकिन गुस्से को सही समय पर व्यक्त करे। अगर पति का मूड खराब है तो चुप रहना ही बेहतर है। उनका मूड जब सही हो जाए तो उनसे पूछ सकती हैं, 'कल इतनी देर तक कहां थे?' समझदार पति सच बता देते हैं। अगर झूठ भी बोलें तो उन्हें अगली बार सच बोलने का मौका तो दें। कहने का मतलब है कि उनके घर में घुसते ही उन पर फायर न हों।

घर के कामों में पति का लें सहयोग: जिन घरों में पत्नियां कामकाजी होती हैं, वहां काम की अधिकता अकसर पति-पत्नी के बीच कलह का कारण बन जाती है। कई पति, पत्नी का हाथ इसलिए भी नहीं बंटा पाते, क्योंकि वे जो कुछ भी करते हैं, उसमें कोई न कोई कमी पत्नी निकाल ही देती है। ऐसे में उन्हें लगता है, दूर रहने में ही भलाई है। कई पति तो घर के कामों को इसलिए नहीं करते, क्योंकि वे इसे अपनी प्रतिष्ठा के खिलाफ समझते हैं। ऐसे पतियों को समझना चाहिए, आज समय बदल चुका है। उन्हें पत्नी के कामों में हाथ बंटाना चाहिए।

चुप रहना सिर्फ पत्नी नहीं, पति की भी जिम्मेदारी: चुप रहना केवल पत्नी की ही जिम्मेदारी नहीं होती। कुछ मामलों में पति ही ज्यादा लड़ाई के लिए उकसाने वाले साबित होते हैं। कई मौकों पर पति को भी चुप्पी साधनी चाहिए। चुप्पी साधकर असलियत का पता लगाने के बाद ही पत्नी से इस बावत कोई बात करें। छोटी-छोटी गलतियों पर अपनी पत्नी को दूसरों के सामने बेइज्जत न करें, इसलिए खामोशी पत्नी या पति की हार नहीं बल्कि दोनो की जीत होती है।

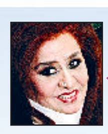

केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

समर ट्रिप के दौरान करें स्किन की प्रॉपर केयर

समर वेकेशंस में बहुत-से लोग बाहर घूमने-फिरने का प्रोग्राम बनाते हैं। लेकिन घूमने के दौरान अगर आप अपनी स्किन प्रोटेक्शन को लेकर जरूरी सावधानी नहीं बरतेंगी तो कई प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ सकता है। हमारी स्किन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है, सूर्य की किरणें।

सनस्क्रीन: ट्रैवलिंग के दौरान आप सनस्क्रीन लोशन अपने साथ जरूर रखें, क्योंकि यही आपकी स्किन को टैन होने से बचा सकती है। सूर्य की किरणों के संपर्क में रहने से स्किन में टैनिंग होने लगती है। इसलिए इस सीजन में जब भी आप बाहर धूप में जाएं तो जाने से 20 मिनट पहले चेहरे और शरीर के खुले हिस्सों पर सनस्क्रीन का यूज करें। अगर आप धूप में एक घंटा या ज्यादा

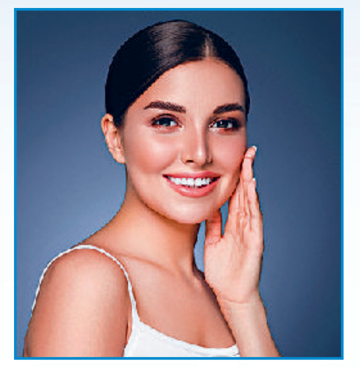

समय तक रहें तो सनस्क्रीन का दुबारा यूज करें। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो सनबर्न से बचने के लिए आप 30 या ज्यादा एस.पी.एफ. वाला सनस्क्रीन यूज करें। इसके अलावा आप मॉयश्चराइजर, रिहाइड्रेंट क्लींजर, हैंड क्रीम और लिप बाम भी साथ रखना न भूलें।

स्क्रबिंग: ऑयली स्किन को चमकाने और छिद्रों को साफ करने के लिए स्क्रब का यूज भी इस दौरान करना चाहिए। सी बीच पर खारे पानी में एंज्वॉय करने के बाद चेहरे को ताजे साफ पानी से धोएं। जब भी आप वापस अपने होटल के कमरे में पहुंचें तो चेहरे पर ठंडे दूध की मालिश करके छोड़ दें। इससे सनबर्न के प्रभाव को रोकने में मदद मिलेगी फिर चेहरे पर मॉयश्चराइजर लगाएं।

मास्क: फेस स्किन के लिए 'पील ऑफ मास्क' भी उपयोगी साबित होगा। शहद को अंडे के सफेद भाग में मिलाकर इस पेस्ट को चेहरे पर 20 मिनट तक लगा रहने के बाद इसे ताजे पानी से धो डालिए। इससे त्वचा कोमल-चमकदार बनती है।

बालों का रखें ध्यान: समुद्री पानी में नहाने से आपके बाल उलझ सकते हैं। समुद्री पानी में नहाते समय सिर को कैप से ढंकने से बालों को सूर्य की गर्मी और खारे पानी के नुकसान से बचाया जा सकता है। समुद्र में नहाने से पहले अपने बालों को सामान्य ताजे पानी से अच्छी तरह धोएं। बालों के छिद्र खुले होते हैं और बालों को धोने के बाद समुद्र में नहाने से बालों को नुकसान नहीं होगा। समुद्री पानी में नहाने के बाद बालों को हल्के हर्बल शैंपू से धो डालिए। शैंपू से धोने के बाद बालों में कंडीशनर या हेयर सीरम जरूर लगाएं।

एडवाइस

डॉ. अविनाश कुमार

एचओडी-पीडियाट्रिक-पीएमसीएच, धनबाद

बढ़ती गर्मी में ऐसे करें बच्चों की केयर

गर्मी के मौसम में जरा-सी लापरवाही बरतने पर बच्चे बीमार हो सकते हैं। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि आप उनके ड्रेसअप, डाइट और हाइड्रेशन का ध्यान रखें। यहां पर हम आपको दे रहे हैं इससे रिलेटेड बहुत ही यूजफुल सजेशंस।

गर्मी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बढ़ते तापमान और इस चिलचिलाती गर्मी से हर कोई बेहाल है। बड़े तो फिर भी अपनी सुरक्षा और बचाव के लिए कुछ उपाय कर लेते हैं, लेकिन बच्चे अपना ध्यान नहीं रख पाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने बच्चों की प्रॉपर केयर करें।

डाइट दें सही: गर्मी के मौसम में बच्चों के खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ध्यान रखें कि बच्चा ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में न्यूट्रिशस डाइट समय पर लेता रहे। बीच-बीच में घर में बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छाछ, नारियल पानी या मौसमी फलों के रस भी उन्हें दे सकती हैं। नमक, चीनी, पानी और नीबू रस से बनी शिकंजी भी उन्हें पिलाएं। इस मौसम में बाजारू खाना न खुद खाएं और न बच्चों को खिलाएं क्योंकि दूषित भोजन खाने से फूड प्वॉइजनिंग होने का खतरा बना रहता है। इसलिए इससे परहेज करें।

पहनाएं थिन ड्रेसेस: इस सीजन में अपने बच्चों को लाइट कलर की कॉटन ड्रेसेस पहनाएं। ये ना केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि बच्चों के शरीर को हवादार भी रखते हैं। पसीने को भी ये कपड़े आसानी से सोखते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक से बनी ड्रेसेस, शरीर से निकले पसीने को नहीं सोखती हैं और शरीर से देर तक पसीना चिपका रहता है। नतीजा घमौरियां निकल आती हैं।

धूप से बचाएं: इस मौसम में दिन के समय बच्चों को धूप में नहीं जाने दें। अगर बच्चा सुस्त दिखे तो उसका बॉडी टेंप्रेचर चेक करना चाहिए। अगर टेंप्रेचर ज्यादा लगे तो ठंडे पानी में कपड़े को भिगोकर तब तक उसके शरीर को पोछें, जब तक कि शरीर का तापमान सामान्य ना हो जाए।

डिहाइड्रेशन से बचाएं: गर्मी के मौसम में शरीर बहुत तेजी से पसीने के रूप में तरल (पानी) बाहर निकालता है। इसकी वजह से रक्त गाढ़ा होने लगता है। ऐसी स्थिति में शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए अपने बच्चों को दिन भर थोड़ी-थोड़ी देर में तरल पदार्थ देती रहें। ठंडा पानी और ठंडे पेय आपके बच्चे को राहत प्रदान करेंगे, पानी की कमी को पूरा करेंगे और शरीर के तापमान को भी बहुत हद तक कम करने में मदद करेंगे। जूस, शरबत पिलाने से बच्चे को अतिरिक्त ऊर्जा भी मिलेगी।

रोज नहलाएं: गर्मियों में बच्चों को ठंडे पानी से रोज नहलाना चाहिए। नहलाने से दो फायदे होते हैं। एक तो उनके शरीर का तापमान कम होता है और दूसरा उनकी त्वचा भी साफ होती है। जिससे त्वचा के रोम छिद्र भी खुल जाते हैं। जो पसीने को शरीर से आराम से निकलने में मदद करते हैं।

टेंप्रेचर रखें मेंटेन: घर के भीतर टेंप्रेचर को कम रखने के लिए एसी या कूलर का यूज करें। लेकिन इनका जरूरत से ज्यादा प्रयोग भी हानिकारक हो सकता है, क्योंकि एक निश्चित तापमान से कम होने पर शारीरिक क्रियाएं बाधित होती हैं। छोटे बच्चों के लिए 27 डिग्री से कम का तापमान अच्छा नहीं माना जाता है। अगर बच्चे बाहर से आएं तो उन्हें तुरंत एसी या कूलर के सामने जाने से बचाना चाहिए।

न हो पेट का संक्रमण: गर्मी के मौसम में पेट के संक्रमण से बचाने के लिए बच्चों को ताजा, घर का बना पौष्टिक भोजन ही खिलाएं और शुद्ध जल पीने के लिए दें।

प्रस्तुति: अलका 'सोनी'

खबर संक्षेप

नारनौल। भारती स्कूल के विद्यार्थी।

भारती स्कूल नूनी अव्वल का परीक्षा परिणाम सराहनीय

नारनौल। भारती पब्लिक स्कूल नूनी अव्वल का हरियाणा बोर्ड परीक्षा में दसवीं का परीक्षा परिणाम बहुत ही सराहनीय रहा। विद्यालय के चेयरमैन हजारी लाल ने बताया कि विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। हरियाणा बोर्ड में स्कूल के 12 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट सूची में स्थान बनाया है। विद्यालय के छात्र आर्यन ने 454 अंक, खुशी ने 449, रिधि ने 446, विजय कुमार ने 443, भावना ने 440, अनुराग ने 435, योगेंद्र ने 429, श्रुति ने 427, अनीश ने 425, सुषमा ने 420, मोहित ने 408, राशि ने 403 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। बाकी बचे विद्यार्थियों ने फर्स्ट डिवीजन प्राप्त की। इस मौके पर प्रबंधक राजेंद्र कुमार, विकास, प्रवीण सैनी, कृष्ण कुमार, अरविंद, सुरेंद्र, सुषमा, पूनम, पूजा आदि ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राव निहाल की पुण्यतिथि पर हवन कर श्रद्धांजलि दी

नारनौल। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व मंत्री राव निहाल सिंह की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनके महेंद्रगढ़ रोड पर स्थित कार्यालय पर हवन का आयोजन किया गया। जिसमें उनके परिजनों के अलावा समर्थकों ने भी भाग लिया। गौरतलब है कि राव निहाल सिंह एकमात्र ऐसे नेता रहे हैं। जिन्होंने जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया व हरियाणा में सबसे कम आयु में मंत्री बनने का भी रिकॉर्ड उनके नाम है। राव निहाल सिंह हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। इस मौके पर उनके समस्त परिजन राव तेजपाल सिंह, राव सुरेंद्र सिंह, राव देवेंद्र सिंह, जितेन्द्र सिंह, हरिसिंह, गुरदयाल नायन आदि मौजूद रहे।

नारनौल से अलग-अलग शहरों की तरफ जाने वाली रेल कनेक्टिविटी में सुधार क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा

दैनिक रेलयात्री संघ ने विधायक ओमप्रकाश यादव को सौंपा ज्ञापन, रेल सेवाओं में विस्तार की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

दैनिक रेल यात्री संघ ने अध्यक्ष गणेश शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को विधायक ओमप्रकाश यादव को रेल सेवाओं में विस्तार की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि नारनौल शहर दक्षिणी हरियाणा के प्रमुख शहरों में से एक है। यहां अन्य शहरों के मुकाबले रेल सुविधाओं में बढ़ोतरी नहीं हो पाई है। ज्ञापन में कहा कि समय के साथ सब कुछ परिवर्तन हुआ, लेकिन शायद शहर अपने क्षेत्र में रेल सुधारों व सेवाओं में पिछड़ा रह गया। नारनौल से अलग अलग शहरों की तरफ जाने वाली रेल कनेक्टिविटी में अगर सुधार कर दिया जाए तो यह प्रयास इस क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि नारनौल दक्षिण हरियाणा का पिछड़ा क्षेत्र होने के कारण इस पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। आज हरियाणा के दूसरे क्षेत्रों से अगर नारनौल की समानता की जाए तो यह क्षेत्र किसी भी पंक्ति में अपने आपको नहीं पाएगा, क्योंकि समय के साथ सब कुछ बदलता गया,

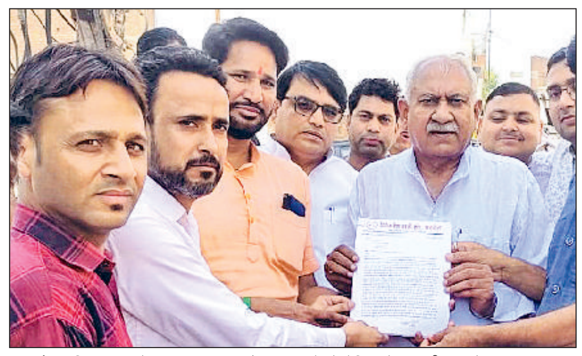
नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव को ज्ञापन सौंपते दैनिक रेल यात्री संघ के सदस्य।

लेकिन नारनौल की जनता व यहां की जरूरत पर किसी का ध्यान नहीं गया। किसी क्षेत्र के विकास की रीढ़ की हड्डी होती है। वहां की यातायात सुविधा, जिसमें रेल सुविधा सबसे प्रमुख होती है। पहला तो यहां ट्रेनों की संख्या कम है, दूसरा जो चलती है उनमें से कुछ एक का समय प्रबंधन ठीक नहीं है, तीसरा कह सकते हैं कि रेवाड़ी से जयपुर के लिए खूब ट्रेनें हैं, लेकिन नारनौल से जयपुर के लिए सीधी एक भी ट्रेन नहीं है। एक ट्रेन जयपुर तो जाती है, लेकिन जयपुर से पहले ही डेहर का बालाजी तक उसको भेजा जाता है। दूसरी भिवानी जयपुर अनियमित ट्रेन है। इसके समय प्रबंधन को सही करने के लिए दैनिक रेल यात्री संघ पहले भी ज्ञापन दे चुका है, जिसका अभी तक कोई भी समाधान नहीं निकला गया है। दिल्ली से सीधा जयपुर वाया रेवाड़ी अलवर बांदीकुई औसतन एक घंटे में एक ट्रेन है। इस रूट पर ट्रेनों का अत्यधिक दबाव होने के बावजूद नित नई ट्रेने चलने के अपडेट आते रहते है, लेकिन इसके विपरीत दिल्ली से सीधा जयपुर वाया रेवाड़ी नारनौल रिंगस कोई ट्रेन नहीं है। लोगों के मांगें जाने पर भी यहां के लिए ट्रेनों के रैक उपलब्ध नहीं है। दैनिक रेल यात्री संघ आम जनता के बीच में जाकर क्षेत्र में रेल सुविधाओं पर लोगों से चर्चा की है। जिसमें आम जनता ने भी माना है कि इस क्षेत्र में जो रेल सुविधाएं मिलनी चाहिए थी, वह अभी तक इसको नहीं मिल पाई है, इसलिए आपसे निवेदन है कि कुछ सुझाव हैं, उन पर ध्यान कीजिए, जिससे नारनौल क्षेत्र में रेल सुविधाओं की बढ़ोतरी हो सके और यह क्षेत्र मुख्य धारा में आ सके।

पहला सुझाव: ट्रेन संख्या

74001 व 74002 दिल्ली रेवाड़ी डेमू का रिंगस तक विस्तार किया जाए। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर रेवाड़ी रात 10:30 बजे पहुंचती है तथा सारी रात सात घंटे के लगभग रेवाड़ी स्टेशन पर ही खड़ी रहती है। इस ट्रेन को रेवाड़ी न खड़ा करके इसका रिंगस तक रूट विस्तारीकरण किया जाए, ताकि आम जनता को इसका लाभ मिल सके। ऐसा करने मात्र से ही यहां की जनता को अलसुबह दिल्ली के लिए एक नई ट्रेन मिल जाएगी तथा दिल्ली से खाटू श्याम जी जाने वाले भक्तों के लिए भी यह ट्रेन एक अच्छा साधन बन जाएगी।

दूसरा सुझाव: मुरादाबाद

जंक्शन कॉर्बेट लिंक अथवा रानीखेत एक्सप्रेस को नारनौल से जयपुर वाया रिंगस नीमकाथाना चलाया जाए। यह ट्रेन दिल्ली से सीधे जयपुर की तरफ वाया रेवाड़ी अलवर बांदीकुई होते हुए जाती है। इस ट्रेन को दिल्ली से जयपुर वाया रेवाड़ी नारनौल रिंगस की तरफ से चलाया जाए, चुकिं जयपुर में बड़े बड़े मेडिकल संस्थान है। इसलिए नारनौल व आसपास के क्षेत्र के लोगों को चिकित्सा संबंधी व इलाज के लिए नियमित रूप से जाना पड़ता है।

तीसरा सुझाव

भिवानी डेहर का बालाजी को सीधा जयपुर स्टेशन तक पहुंचाया जाए। वर्तमान में यह ट्रेन जयपुर से एक स्टेशन पहले डेहर का बालाजी तक संचालित होती है। डेहर का बालाजी से जयपुर स्टेशन तक यात्रियों को पहुंचने के लिए वहां से ऑटो रिक्शा का सहारा लेना पड़ता है, जिनके मुंह मांगे दम होते हैं।

आठवां सुझाव

बांद्रा चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन को प्रतिदिन चलाया जाए। यह ट्रेन हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ को मुंबई के बांद्रा टर्मिनस से जोड़ती है। नारनौल के रास्ते लंबी दूरी की चलने वाली केवल एक यही ट्रेन है जो इस क्षेत्र के आसपास के लोगों के लिए गुजरात, महाराष्ट्र से लेकर चंडीगढ़ जाने का एक सुगम यातायात का साधन है।

नौवां सुझाव

नारनौल से हरिद्वार के लिए एक सीधी एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाए। पिछले दिनों नारनौल से सीधी हरिद्वार के लिए ट्रेन चलाई गई थी। इस ट्रेन की भी समय व्यवस्था मदार रोहतक और भिवानी जयपुर ट्रेन की तरह ही की गई थी, जोकि नारनौल से रेवाड़ी पहुंचने में ही ढाई घंटे लगाती थी। इस प्रकार के समय प्रबंधन के कारण यात्री भार इसमें कम ही रहता था परिणाम स्वरूप बाद में इसे बंद कर दिया गया।

पांचवा सुझाव

जयपुर भिवानी एक्सप्रेस के समय में सुधार कर इस ट्रेन को भिवानी से आगे हिसार तक बढ़ाया जाए, ताकि नारनौल से हिसार सीधा ट्रेन से जाया जा सके, ताकि नारनौल की जनता हिसार से सीधा रेल द्वारा जुड़ सके। छठा सुझाव: चेतक एक्सप्रेस ट्रेन के समकक्ष एक और नई ट्रेन चलाई जाए, क्योंकि इस ट्रेन में हर दिन भीड़ बढ़ती जा रही है। दिल्ली सराय रोहिल्ला से ही यह ट्रेन पूरी तरह से भर जाती है, क्योंकि दिल्ली व गुड़गांव से अत्यधिक यात्री नियमित रूप से इस ट्रेन में चढ़ते हैं। जिसके कारण इस ट्रेन में चढ़ पाना बहुत ही मुश्किल हो जाता है।

सातवां सुझाव

रेवाड़ी नारनौल के रास्ते कोटा के लिए एक नई ट्रेन चलाई जाए, क्योंकि रेवाड़ी से कोटा के लिए कोई ट्रेन नहीं है। कोटा शैक्षणिक क्षेत्र होने के कारण नारनौल रेवाड़ी क्षेत्र के बहुत से विद्यार्थी कोटा पढ़ने के लिए जाते रहते हैं।

सैनी स्कूल के 12 छात्र राज्य मेरिट में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सैनी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी रोड व बहरोड़ मोड़ शाखा ने कक्षा 10वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में अभूतपूर्व सफलता अर्जित करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के कुल 23 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और सभी के सभी छात्र छात्राएं उत्तीर्ण हुए। इस शानदार प्रदर्शन में सबसे विशेष बात यह रही कि विद्यालय के 12 छात्रों ने राज्य मेरिट सूची में अपना स्थान सुनिश्चित किया। वहीं नौ छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षाए अनुशासन और छात्रों के कठिन परिश्रम का प्रत्यक्ष प्रमाण है। हिंदी में छात्रा

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

सानिया ने 98 अंक, अंग्रेजी में भूमिका ने 95 अंक, गणित में मानसी ने 81 अंक, सामाजिक विज्ञान में प्रियांका ने 96 अंक, विज्ञान में सुहानी ने 96 अंक, शारीरिक शिक्षा में भूमिका व सुहानी ने 99 अंक हासिल किए है। इस उपलक्ष्य में सैनी सभा की ओर से सैनी धर्मशाला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी, उपप्रधान रोहतास सैनी, महासचिव निहाल सिंह, सचिव भारत सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष बलवंत सिंह सैनी, शिक्षा सलाहकार सुमन सैनी, निदेशक प्रेमचंद सैनी, प्रधानाचार्य हुकुमचंद सैनी आदि मौजूद रहे।

हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर का दसवीं व बारहवीं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

हाल ही में बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा दसवीं व बारहवीं के परिणाम में हिंदुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर का परिणाम शत प्रतिशत रहा। स्कूल प्राचार्य अनूप कुमार ने बताया कि बोर्ड परीक्षा परिणाम में उनके स्कूल ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है जिसमें कक्षा दसवी में शत प्रतिशत मैरिट हासिल की है इसके साथ ही नौ छात्रों ने अलग–अलग विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर के अपना व स्कूल का नाम रोशन

मंडी अटेली। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों के साथ स्कूल स्टाफ।

किया। इस मौके स्कूल चेयरमैन पूर्व सरपंच एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर सिंह ने बताया कि हमारे विद्यालय द्वारा बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ सर्वांगीण विकास की ओर ध्यान दिया जाता है। परीक्षा परिणाम में हर बार की तरह इस बार भी एरिया का सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने वाली संस्था बनी है। इस खुशी के अवसर पर सोमवार स्कूल में छात्र अभिभावक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दसवीं व बारहवीं पास छात्र व उनके अभिभावकों को बुलाकर स्कूल द्वारा सम्मानित किया गया। सभी अभिभावक इस परीक्षा परिणाम सेवा काफी खुश व उत्सुक दिखे। अंत में स्कुल चेयरमैन द्वारा सभी छात्रों अध्यापकों वह अभिभावकों का इस मौके पर धन्यवाद किया। वहीं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के पीए विकास कुमार ने सभी विद्यार्थियों व अभिभावकों का धन्यवाद किया। इस मौके पर स्कूल वाईस चेयरमैन मनोज कुमार, संस्थान निदेशक राकेश यादव, उपप्राचार्य एकता यादव, धर्मवीर सरपंच, पवन पंच, गजराज, विनय कुमार, धीरज कुमार, सुमन, अमन कुमार, ललिता यादव व मनोज कुमार आदि अध्यापक मौजूद रहे।

परीक्षा परिणाम: गुरु द्रोणाचार्य स्कूल ने लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की ओर से मैट्रिक का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद के बच्चों ने सफलता का परचम लहराया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरमैन अजय कुमार ने बच्चों को बधाई दी व फुल मालाओं से बच्चों का स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य नेतराम सैनी ने बताया कि मैट्रिक कक्षा में 78 बच्चे प्रविष्ट हुए। जिनमें से 26 बच्चों ने राज्य स्तरीय मेरिट में स्थान प्राप्त किया। 10 बच्चों ने जिला स्तरीय मेरिट में स्थान पाया। 36 बच्चों ने प्रथम श्रेणी तथा छह बच्चों ने द्वितीय श्रेणी में स्थान पाया। इलेश पुत्र लोकेश ने 484 अंक, अरमान पुत्र कृष्ण ने 483, रिया सैनी पुत्री विनोद

नारनौल। गुरु द्रोणाचार्य स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ने 472, जिया पुत्री गौरीशंकर ने 463, सानिया पुत्री पूर्णचन्द 463, तिया सैनी पुत्री अनिल सैनी ने 456, दिपेंद्र शर्मा पुत्र रामनिवास ने 454, हिमांशु पुत्र अभय सिंह ने 453, एकता पुत्री सत्यपाल ने 452, केशव पुत्र अजीत ने 447, खुशबू पुत्री विशाल सैनी ने 446, प्रशस्ता यादव पुत्री विकास यादव ने 440, मान्शी पुत्री नरेंद्र कुमार ने 433, तन्नू पुत्री अनिल ने 435, अमन यादव पुत्र कर्मवीर ने 429, मुस्कान पुत्री रविन्द्र ने 427, गौरव पुत्र राजकुमार ने 427, खुशबू सैनी पुत्री जगदीश 423, मोहन पुत्र पवन 423, हरमन दीप पुत्र इन्द्रदीप सिंह ने 416, नन्दिनी पुत्री किरण सिंह ने 410, नितिक्षा पुत्री चेतन प्रकाश ने 410, अमन पुत्र राकेश ने 410, प्रियंका पुत्री राधेश्याम ने 446, जय सैनी पुत्र अशोक कुमार ने 425, अमन पुत्र राकेश ने 410, दीपिका पुत्री बंशीधर ने 450, रिया सैनी पुत्री अनिल ने 399, हिमांशु पुत्र लालचंद ने 398, संदीप पुत्र सिंगाराम ने 398, कंचन पुत्री दिनेश ने 387, नवनीत कौर पुत्री चरणजीत सिंह ने 387, एकमप्रीत कौर पुत्री राजेन्द्र पाल सिंह ने 386, जतिन पुत्र मुंशीराम ने 386, गुरुबक्श पुत्र नरेन्द्र सिंह ने 382, योगेश पुत्र हरकेश ने 382 अंक प्राप्त कर के विद्यालय का नाम रोशन किया। गणित में 100, शारीरिक शिक्षा में 100, अंग्रेजी में 99, सामाजिक विज्ञान में 97, विज्ञान में 96, हिन्दी मे 96 में बच्चों उच्चतम अंक प्राप्त किए। इस मौके पर वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, मैनेजिंग डायरेक्टर पूजन सैनी, कमल सिंह, प्रीतम सैनी, अंकित सैनी, प्रवीण सैनी, सुनीता यादव, कविता, निशा सैनी, निशा यादव, कृष्ण कुमार आदि मौजूद रहे।

पूर्व डिप्टी सीएम ने दिवंगत नेता काशीराम को दी श्रद्धांजलि

नांगल चौधरी। प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला रविवार की देर शाम पार्टी के दिवंगत नेता काशीराम रावत को श्रद्धांजलि देने के लिए उनके आवास ढाणी तिहागिया पहुंचे। उन्होंने परिजनों नांको ढांढस बंधाया तथा उनके निधन को पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि काशीराम रावत पार्टी के सीनियर नेता रहे हैं। उन्होंने पूर्व उप प्रधानमंत्री चौ. देवीलाल की टीम में शामिल होकर समाजसेवा की थी।

इसके बाद चौ. ओमप्रकाश चौटाला के दिशानिर्देशों में संगठन को मजबूत करने में योगदान दिया है। उन्होंने कभी भी निजी स्वार्थों को जनहित के कार्यों में रूकावट नहीं बनने दिया। इस दौरान उन्होंने मृतक के पुत्रों से मुलाकात की और हमेंशा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बीआर डिग्री कॉलेज में नशीली दवाओं के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव सेहलंग स्थित बीआर डिग्री कॉलेज में नशीली दवाओं के खिलाफ जागरूकता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर बनाकर जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा नशा विरोधी पोस्टर बनाए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन हरीश भारद्वाज के प्रेरक संबोधन द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने बहुत सुंदर-सुंदर पोस्ट बनाए, जिनसे स्पष्ट संदेश झलकता है कि नशीली दवाओं के प्रयोग से मानव जाति का समाज में किस प्रकार से पतन होता जा रहा है। प्राचार्य राकेश कौशिक ने बताया कि पहले लोग सिर्फ आनंद

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेती कॉलेज की छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

लेने के लिए इनका प्रयोग करते हैं, फिर धीरे-धीरे यह आदत बन जाती है और परिवार व समाज के विनाश का कारण बन जाती है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग दुनिया भर के लाखों लोगों को प्रभावित कर रहा है। इस अभियान का संदेश देश के बच्चों और युवाओं तक पहुंचे इसलिए मादक द्रव्यों का सेवन न करने के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की व्याख्याता पूनम यादव, आरती यादव, दिव्या यादव, विनोद कुमार व राजीव कुमार आदि उपस्थित रहे।

बिजली के तारों को ठीक करवाने के लिए सौंपा ज्ञापन

बिजली के तारों से राष्ट्रीय पक्षी की मौत से रोष

हरिभूमि न्यूज मंडी ▶▶| अटेली

ब्लाक सिहमा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सागरपुर के सामने ट्रांसफार्मर पर बिजली के तारों से सोमवार राष्ट्रीय पक्षी की मौत हो गई। यह घटना पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए ब्लाक प्रधान सिहमा मास्टर बलवंत सिंह, अटेली मण्डी प्रधान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब, अनिल कुमार पंचायत समिति सदस्य, यशवंत सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता मास्टर सुबेसिंह, देवेन्द्र कुमार, बाबूलाल, बिल्लू सहित ने बिजली उपमंडल अधिकारी कार्यालय सिहमा के नाम एक ज्ञापन सौंपा। अशोक कुमार जेई ने ज्ञापन रिसीव किया। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि अनिल कुमार मेचु ने बताया कि उनके गांव में

मंडी अटेली। बिजली के तारों ठीक करवाने के लिए ज्ञापन सौंपते हुए।

आए दिन यह समस्या बनी हुई है। परंतु प्रशासन गांव कि समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा रहा है। इस संबंध में सिहमा बिजली विभाग को अनेक बार शिकायत देने के बाद भी इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सिहमा बिजली विभाग जाते हैं तो हमारी शिकायत पर कोई गौर किया नही करता है। परंतु पांच वर्षो से गांव की इस समस्या पर बिजली विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। सागरपुर गांव के अंदर 11-11 हजार वोल्ट के तार घरों के बिल्कुल नजदीक से गुजर रहे हैं। गांव में आए दिन हो रही राष्ट्रीय पक्षी के अलावा अन्य पक्षी भी इन हाई वोल्टेज तारों की चपेट में आने से मार रहे हैं। अब धीरे-धीरे पक्षी कम होते जा रहे हैं। गांव में अब सुबह पक्षियों की चहचहाहट कम होने लग गई है। इस मौके पर सिहमा ब्लाक प्रधान मास्टर बलवंत सिंह ने बताया कि बिजली विभाग की अनदेखी के चलते आए दिन होने वाली पक्षियों की मौत की घटनाएं दिल को दहला देने वाली है, जिस पर तत्काल रोक लगाई जाना पशु-पक्षियों के जीवन के लिए निहायत जरूरी है। बिजली विभाग सिहमा के उपमंडल अधिकारी कार्यालय के अशोक कुमार जेई ने बिजली उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधि मंडल को स्लिप्ड वायर लगाकर पक्षियों के बचाव व सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाया।

नारनौल। बीकेएन स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीकेएन स्कूल सिहमा का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

नारनौल। बीकेएन स्कूल सिहमा का का दसवीं का परीक्षा परिणाम शानदार रहा है। जिसमें तनुज पुत्री नवीन सिहमा ने 478 अंक लेकर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अंकिता पुत्री भीमसिंह सिहमा ने 473 अंक प्राप्त करके विद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। वही प्रतिज्ञा पुत्री बॉबी सिंह खासपुर ने 469 अंक लेकर विद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। संतोष पुत्री राजेश कुमार डेरोली अहीर ने 468 अंक लेकर संस्था में चौथा स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार शकुंतला पुत्री धर्मेंद्र डेरोली अहीर ने 463 अंक लेकर पांचवां स्थान प्राप्त किया है। संस्था में 34 बच्चों में नौ विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किया और 31 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर मेधावी सूची में नाम दर्ज करवाया है। बाकी सभी बच्चे 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है।

महेंद्रगढ़। योगासान करते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी महेन्द्रगढ़ में योग गतिविधियां आयोजित

महेंद्रगढ़। यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेन्द्रगढ़ के प्रागंण में कक्षा दूसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए योग गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रार्थना और सूर्य नमस्कार कर की गई। इसके बाद छात्रों द्वारा विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया गया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योग के महत्व को समझा। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक रहा, उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा भी मिली। विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार ने बताया कि योग छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन और आत्मा को भी सशक्त बनाता है। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को योगाभ्यास के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि योग आत्मनिरीक्षण, आत्म-चिंतन और अपने शरीर, मन और भावनाओं के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

1 लाख से कम आय वाले 2290 अंत्योदय परिवारों ने उठाया बिजली बिल माफी का लाभ

बिजली बिल माफी योजना के तहत उपभोक्ताओं ने महज 99.57 लाख रुपये जमा करवाकर सीधे 291.81 लाख रुपये की पाई छूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश सरकार ने अंत्योदय (गरीब) परिवारों के लिए बिल माफी योजना शुरू की हुई। इस योजना के तहत वे सभी अंत्योदय परिवार पात्र माने गए हैं, जिनकी परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) डाटा के अनुसार सत्यापित आय प्रति वर्ष एक लाख रुपये से कम है। इस योजना के तहत गरीब परिवार बिजली कनेक्शन कटने या डिफाल्टर होने की सूरत में इसका लाभ ले सकते हैं। भले ही उनका बिजली का कनेक्शन चालू है या कटा हुआ है तथा पिछले 12 महीने की बिजली की औसत मासिक खपत 150 यूनिट तक है अथवा इतनी खपत थी। दो या दो से अधिक बिलिंग चक्र का बिजली का बिल नहीं भरने वाले गरीब उपभोक्ता भी इस लाभ के पात्र माने गए हैं। जिला महेंद्रगढ़ में योजना चालू होन से आज 19 मई 2025 तक 2290 उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ उठाया है।

इन उपभोक्ताओं ने निगम में महज 99.57 लाख रुपये जमा करवाते हुए सीधे 291.81 लाख रुपये की छूट के रूप में बड़ा फायदा उठाया है। गौर हो यह योजना 9 जून 2023 को तत्कालीन सीएम मनोहर लाल खट्टर ने चालू की थी, जिसमें उत्तरी एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के अंत्योदय परिवारों को शामिल किया गया है।

सरकार का लक्ष्य गरीब परिवारों को अधिक से अधिक राहत देना है। इस योजना के तहत प्रार्थी को केवल पिछले 12 महीने की मूल राशि का ही भुगतान करना पड़ेगा, जो कि अधिकत्तम 3600 रुपये होगी। यह योजना अब भी जारी है, जिसका अंत्योदय उपभोक्ता अब भी लाभ ले सकते हैं।

नारनौल। पॉवर हाउस। फोटो : हरिभूमि

नारनौल के शहरी उपभोक्ता लाभ उठाने में आगे

अंत्योदय परिवारों के लिए शुरू की गई बिजली निगम की बिजली बिल माफी का नारनौल के सब अर्बन उपभोक्ताओं ने सर्वाधिक लाभ उठाया है। सब अर्बन में लगभग 520 उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लेते 22.68 लाख रुपये जमा करवाकर 61.28 लाख रुपये की छूट का फायदा उठाया है। इसी प्रकार नारनौल सिटी में 40 उपभोक्ताओं, अटेली में 161, नांगल चौधरी में 353 एवं सिहमा में 230 उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया है। यह सभी क्षेत्र नारनौल सब डिवीजन में आते हैं, जिनका कुल योग 1304 उपभोक्ता बनते हैं। इसी प्रकार सिटी महेंद्रगढ़ में 137, सब अर्बन महेंद्रगढ़ में 201, सतनाली में पांच, कनीना में 300, बूचावास में 343 उपभोक्ताओं यानि महेंद्रगढ़ डिवीजन में कुल 986 उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ उठाया है।

नारनौल सर्कल की स्थितिः

नारनौल सर्कल में आज तक यानि 19 मई 2025 तक 2077 उपभोक्ताओं ने लाभ उठाया है। इन 2077 उपभोक्ताओं को निगम में महज 87.73 लाख रुपये जमा करवाने पड़े हैं, जबकि 221.18 लाख रुपये का बिल माफी के रूप में लाभ उठाया है। कमाल की बात यह भी है कि इस योजना में 368 ऐसे उपभोक्ता भी शामिल हैं, जो बिजली चोरी में पकड़े गए थे। चोरी में पकड़े गए ऐसे उपभोक्ताओं को निगम में 28.96 लाख रुपये जमा करवाने पड़े हैं, जबकि 70.25 लाख की छूट पाई है। 213 ऐसे भी उपभोक्ता थे, जिनके बिल नहीं भरने पर कनेक्शन काट दिए गए थे। उपभोक्ताओं ने कनेक्शन रिस्टोर करने के लिए निगम में 11.84 लाख रुपये जमा करवाए और 70.64 लाख रुपये की छूट पाई।

छह किस्तों में जमा करा सकते हैं राशि

प्रार्थी यह राशि एकमुश्त या ब्याज रहित छह किस्तों में जमा करवा सकता है। कटे हुए कनेक्शनों की स्थिति में अगर कनेक्शन 6 महीने के अंदर-अंदर कटा है तो यह कनेक्शन पूरी राशि के भुगतान या पहली किस्त के भुगतान पर जोड़ दिया जाएगा। अगर कनेक्शन को कटे हुए 6 महीने से ज्यादा हो गए हों तो यह नया कनेक्शन माना जाएगा और इस कनेक्शन को केवल अग्रिम खपत राशि जमा करवाने पर दोबारा जोड़ दिया जाएगा।

यह कहते हैं अधिकारी

विवादित बिलों की अवस्था में पात्र अंत्योदय परिवारों को विवादित राशि का 25 प्रतिशत या 3600 रुपये में से जो भी कम होगा, उसका भुगतान करना होगा। इसके अलावा, बिजली चोरी के मामले जो कि इस योजना से पहले के हैं, वे भी इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। बशर्ते कि वे 100 प्रतिशत कंपाउंडिंग राशि एकमुश्त और जुर्माना राशि का 50 प्रतिशत या 3600 रुपये में से जो भी कम होगा, उसका भुगतान कर दें। यह योजना तब तक वैध रहेगी, जब तक बिजली निगम द्वारा वापस नहीं ली जाती। —जोगेंद्र सिंह हुड्डा, एसई, बिजली निगम, नारनौल सर्कल

खबर संक्षेप

नांगल चौधरी में आज तिरंगा यात्रा

नांगल चौधरी। नांगल चौधरी में 20 मई को तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। जिसका नेतृत्व पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव करेंगे। कार्यक्रम में जिला प्रधान यतेंद्र राव व भाजपा के सीनियर नेता दयाराम यादव मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। संयोजक पूर्णचंद गोठड़ी ने बताया कि मंगलवार की सुबह नौ बजे बहरोड़ मोड़ अनाज मंडी के पास कार्यकर्ता एकत्रित होंगे।

एफसीसी के दो सदस्यों का चुनाव स्थगित

मंडी अटेली। नगरपालिका अटेली मंडी में फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी के गठन की प्रक्रिया सोमवार को प्रशासनिक कार्यों की वजह से स्थगित कर दी गई। इसके लिए वार्ड नंबर एक से 12 तक के बीच से दो सदस्यों का चुनाव किया जाना था। इन सदस्यों के चुनाव को लेकर सोमवार का दिन सुनिश्चित किया था। पार्षदों में कुछ हलचल थी कि उनमें से किसी को इस कमेटी का सदस्य बनाया जाएगा।

नकदी छीनने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

नारनौल। थाना सदर क्षेत्र में नकदी छीनने के मामले करवाई करते हुए पुलिस ने नकदी छीनने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान संजय वासी मारोली के रूप में हुई है। पूछताछ में पुलिस ने आरोपित से वारदात में प्रयोग की गई बाइक बरामद की है।

सरस्वती स्कूल का गर्वित जिले में प्रथम

नारनौल। सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुल बाजार के छात्र गर्वित वशिष्ठ ने पूरे जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बारहवीं कक्षा के छात्र गर्वित वशिष्ठ पुत्र सौरभ वशिष्ठ ने कॉमर्स में 484 प्राप्त कर न सिर्फ विद्यालय का बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया। इस खुशी के अवसर विद्यालय के चेयरमैन मुकेश शर्मा ने गर्वित वशिष्ठ को प्रार्थना सभा में सम्मानित किया और बधाई दी। प्राचार्या क्षमा पाण्डेय ने गर्वित वशिष्ठ व उनके अभिभावकों को उसकी सफलता पर बधाई दी।

100 गांवों के मरीजों को निजी लैब में मोटी राशि खर्च करने को मजबूर होना पड़ रहा

नागरिक अस्पताल का दर्जा मिलने के 5 साल बाद भी महेंद्रगढ़ को नहीं मिली अल्ट्रासाउंड की सुविधा

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को पैसे के अभाव में अल्ट्रासाउंड कराने के लिए जाना पड़ता है नारनौल के नागरिक अस्पताल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

स्वास्थ्य विभाग सुविधाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग की विफलता किसी से छिपी नहीं हैं। इतना हीं नहीं शहर के सरकारी अस्पताल को नागरिक अस्पताल का दर्जा मिलने के चार साल भी यहां अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू नहीं हो पाई हैं। केवल माह चार दिन गर्भवत्ती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिल पाती हैं। सुविधा के अभाव में आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों को नारनौल के नागरिक अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं लेने को मजबूर हैं।

बता दें कि वर्ष वर्ष 2019 में क्षेत्र के लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा उप नागरिक अस्पताल में दर्जा बढ़ाकर महेंद्रगढ़ नागरिक अस्पताल का दर्जा दिया था। इसके अलावा सरकारी अस्पताल को 50 बैड से बढ़ाकर 100 बैड का बनाने की घोषणा की गई थी। जब शहर के सरकारी अस्पताल को नागरिक अस्पताल का दर्जा मिला तो यहां लोगों को काफी उम्मीद थी कि उनको अपने शहर में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी। लेकिन लोगों की उम्मीदें धरी की धरी रह गई। चार साल बीतने के बाद भी शहर के नागरिक अस्पताल की सुविधाओं में कोई बदलाव नहीं आया हैं।

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल। फोटो : हरिभूमि

- **नए भवन में नागरिक अस्पताल में शुरू होने के बाद मिल सकती है सभी सुविधाएं**

नए भवन का निर्माण कार्य भी अभी अधूरा

10 जुलाई 2021 को नए भवन निर्माण का शिलान्यास का काम शुरू किया गया। 31 दिसंबर 2023 को नए भवन का निर्माण कार्य पूरा होना था। लेकिन अभी तक केवल 75 प्रतिशत ही कार्य हो पाया है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नए भवन का निर्माण कार्य पूरा होने में पांच माह का समय लगेगा। सिविल अस्पताल में जगह कम होने के कारण चिकित्सकों के लिए भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना किसी चुनौती से कम नहीं है। नागरिक अस्पताल के पुराने भवन में जगह का अभाव होने के कारण मजबूरीवश क्वार्टरों में बैठकर मरीजों की जांच करनी पड़ रही है। भवन के अभाव में अनेक सेवाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। रिहायशी भवन में लैब, टीबी वार्ड, आयुष्मान कार्यालय, एक्स रे रूम, रक्त जांच केंद्र सहित अन्य वार्ड चल रहे हैं। नए भवन का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद नागरिक अस्पताल में सभी सुविधाएं शुरू हो सकती हैं।

प्रतिदिन आते है करीब 60 से 70 मरीज

शहर के नागरिक अस्पताल के अंतगर्त करीब 103 गांव आते हैं। वहीं अस्पताल की ओपीड़ी भी 500 से 600 के बीच रहती हैं। इनमें से करीब 60 से 70 मरीजों को प्रतिदिन अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता पड़ती हैं। लेकिन नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं होने के कारण मरीजों को निजी लैब में मोटी राशि खर्च करनी पड़ रहीं हैं। शहर में करीब 10 निजी लैंब हैं। जिनमें प्रतिदिन मरीजों की भीड़ जमा रहती हैं। शहर के लोगों द्वारा कई बार नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग उठाई जा चुकी हैं। लेकिन नेतृत्व कमजोर होने के कारण सरकार लोगों की मांग की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहीं हैं।

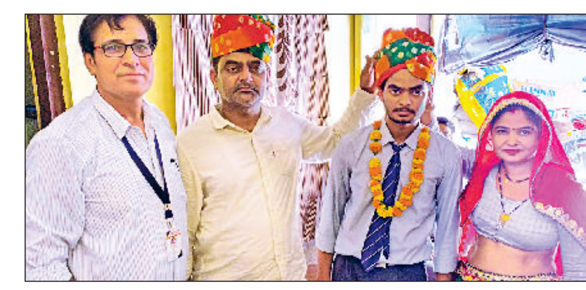

महेंद्रगढ़। मेधावी को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सिंघानिया स्कूल ने 10वीं व 12वीं में रचा कीर्तिमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सीबीएसई बोर्ड द्वारा घोषित दसवीं एवं बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, अभिभावकों एवं सम्पूर्ण क्षेत्र का नाम रोशन किया है। बारहवीं कक्षा में वाणिज्य संकाय से अनुराग पुत्र हरलाल शर्मा निवासी डाबला ने 92.4 प्रतिशत अंक, विज्ञान संकाय से मुस्कान पुत्री रामभरोसे निवासी रवां ने 82.4 प्रतिशत, दसवीं कक्षा में अनुज पुत्र गजेंद्र निवासी रसूलपुर और दिव्या पुत्री मुकेश शर्मा निवासी डूमोली ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य मेधावी छात्रों में निशांत 92.2 प्रतिशत, बरखा 89.2 प्रतिशत, दीक्षा 87.6 प्रतिशत एवं नैना 86.2 प्रतिशत ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और उनकी मेहनत को सराहने हेतु विद्यालय की ओर से एक भव्य रैली का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर सभी मुख्य मार्गों से होती हुई विद्यालय में संपन्न हुई। सिंघानिया संस्था की ओर से विद्यार्थियों की इस सफलता के उपलक्ष्य में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय सिंह सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय सिंह ने कहा कि यह सफलता केवल छात्रों की मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि उनके अभिभावकों का सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन की भी जीत है।

महेंद्रगढ़। कॉलेज में आवेदन करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

राव जयराम डिग्री कॉलेज में यूजी कोर्सों में प्रवेश शुरू

महेंद्रगढ़। राव जयराम डिग्री कॉलेज महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक के विभिन्न कोर्सों में प्रवेश प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। विद्यार्थी बीए, बीकॉम, बीएससी (नॉन-मेडिकल) और बीएससी (मेडिकल) कोर्सों में आवेदन कर दाखिला ले सकते है। कॉलेज प्रशासन द्वारा हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है, ताकि विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, कोर्स चयन, दस्तावेजीकरण और अन्य औपचारिकताओं में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। कॉलेज के निदेशक सुरेन्द्र कुमार ने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों से शीघ्र प्रवेश लेने का अनुरोध किया है क्योंकि सीटों की संख्या सीमित है और हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र वंचित रह जाते हैं।

सरस्वती स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव माजरा कलां स्थित हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा घोषित कक्षा दसवीं व बाहरवीं का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। प्राचार्य ने बताया कि दोनों ही कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। उन्होंने बताया कि विज्ञान संकाय में सपना (बवाना) ने प्रथम, दुष्यन्त सिवाच ने द्वितीय व सायना (माजरा कला) ने तृतीय स्थान तथा कला संकाय में पूर्वा (रिवासा) ने प्रथम, ललिता (पालडी) ने द्वितीय व नेहा (माजरा कलां) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा 20 विद्यार्थियों ने अलग-अलग विषयों में 90 से अधिक अंक प्राप्त किए। इसी क्रम में दसवीं कक्षा में शिक्षा (भगडाना) ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करके स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन किया तथा सात विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये हैं। 30 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए है तथा 50 विद्यार्थियों ने अलग-अलग विषयो में 90 से अधिक अंक प्राप्त किए है। इस अवसर पर आरआरसीएम ग्रुप के चेयरमैन रोशन लाल यादव ने विद्यार्थियो के इस परीक्षा परिणाम को देखते हुए उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस परीक्षा परिणाम का श्रेय अभिभावकों की सोच, विद्यार्थियो व शिक्षकों की मेहनत को दिया।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। पार्टी में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

एचपीएस स्कूल में बच्चों ने लिया पार्टी का आनंद

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में सोमवार को स्पलैश पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से तीसरी तक के विद्यार्थियों ने तरबूज पार्टी का आनंद लिया। बच्चों ने प्रचंड गर्मी के मौसम में पानी की ठंडी फुहारों के बीच ठंडे ठंडे तरबूज का लुत्फ उठाया। बच्चे अपने साथ आकर्षक कटे हुए तरबूज लेकर आए तथा कागज पर बनाई गई तरबूज की रंग बिरंगी चित्रकारी ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विद्यालय डीन मनोज भारद्वाज व प्राचार्य सुनील यादव ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में छोटे बच्चों के मस्तिष्क से पढ़ाई के दबाव को कम करने और गर्मी से राहत दिलाने के लिए विद्यालय में स्पलैश पार्टी का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय एमडी डॉ. हितेश वर्मा, निधि वर्मा, निदेशक पुष्करमल वर्मा, सोनल चौबे आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। सराहनीय परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गुरुकुलम स्कूल ने लहराया परचम

महेंद्रगढ़। शहर के बुंदेबाज नगर स्थित गुरुकुलम आरडी ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल का बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा 10 वीं के परीक्षा परिणाम में बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. देवेंद्र यादव, डॉ. हनुमान यादव व प्रिंसिपल भरत सिंह ने बताया कि विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। यश ने 99 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया। छात्र नितिन ने 98 प्रतिशत अंक, हन्नी ने 96 प्रतिशत अंक, ईशा ने 95 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया। उन्होंने बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बच्चों ने पूरे वर्ष जो कठिन परिश्रम किया उसका परिणाम उन्हें सफलता के रूप में मिला है। गुरुकुलम स्कूल हर क्षेत्र में अव्वल है तथा प्रत्येक परीक्षा परिणाम में अपनी अमिट छाप छोड़ रहा है। गुरुकुलम स्कूल ने एक बार फिर से परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत स्थिति को साबित किया है। डॉ. देवेंद्र यादव ने कहा कि स्कूल की अनुशासित पढ़ाई, बेहतर मार्गदर्शन और गुणवत्ता युक्त शिक्षा का यह नतीजा है। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद भी अगर संसाधन एवं समर्पण हो तो शानदार परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। यह सफलता विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्कूल प्रबंधन के समर्पण का परिणाम है। इस अवसर पर स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

एक रिचार्ज बोरवेल पर खर्च होंगे करीब 5 लाख रुपये

8 करोड़ की लागत से होंगे 150 भूजल रिचार्ज बोरवेल

गांव पल्ह, पाल, बैरावास, गडानिया, खेड़की आदि पंचायतों ने सांसद से की थी विशेष योजना की मांग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

केंद्र सरकार की अटल भूजल योजना के तहत मिकाड़ा विभाग की ओर से क्षेत्र में 157 रीचार्ज बोरवेल किए जा रहे हैं। इससे आसपास के गांवों के जलस्तर में सुधार होगा। केंद्र सरकार की महत्त्वपूर्ण अटल भूजल योजना के तहत जिले में लगभग 400 रीचार्ज बोरवेल का कार्य अपने अंतिम चरण में चल रहा है। इस योजना के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने 20 करोड़ रुपए मंजूर करवाए थे। इसमें से लगभग 8 करोड़ की लागत से महेंद्रगढ़ क्षेत्र में बड़ी नहर के सभी 6 पंप हाउसों के साथ-साथ जिन गांवों में सूक्ष्म सिंचाई योजना के टैंक बने हुए हैं। उन सभी टैंकों के पास भी रीचार्ज बोरवेल बनाए जा रहे हैं।

इसके अलावा नारनौल ब्रांच के एनबी एक, एनबी दो एवं एनबी तीन पंप हाउस पर प्रत्येक पंप हाउस पर 10 बोरवेल किए जा रहे हैं। महेन्द्रगढ़ डिस्टीब्यूट्री के गांव कुराहवटा स्थित पंप हाउस नंबर एक, गांव खातोदडा स्थित पंप हाउस नंबर दो, गांव जांजडियावास स्थित पंप हाउस नंबर तीन, गांव खैरोली स्थित पंप हाउस नंबर चार, गांव बैरावास स्थित पंप हाउस नंबर पांच एवं गांव गडानिया स्थित पंप हाउस नंबर 6 पर भी प्रत्येक पंप हाउस पर 10 रीचार्ज बोरवेल किए जा रहे हैं।

महेंद्रगढ़। विभाग की ओर से नहर के समीप किया गया रिचार्ज बोरवेल।

क्षेत्र के जलस्तर में होगा सुधार

लोकसभा निगरानी समिति के सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि केन्द्र एवं राज्य की सरकार का भूजल रीचार्ज पर विशेष ध्यान है तथा इस प्रकार की योजनाओं से जबरदस्त लाभ होगा। पिछले दस साल से भूजल स्तर में सुधार हुआ है तथा पहले जहां हर साल किसान को अपने ट्यूबवेल में एक या दो पाइप डालने पड़ते थे वहीं अब बहुत से गांवों प्रत्येक एक से दो पाइप निकालने पड़ते हैं। करीब 8 करोड़ की लागत से 157 रीचार्ज बोरवेल किए जाएंगे। बरसात के समय एवं अतिरिक्त पानी के समय जब इन रीचार्ज बोरवेल में लगातर पानी चलेगा तो पूरे क्षेत्र के भूजल रीचार्ज में जबरदस्त लाभ मिलेगा।

157 रीचार्ज बोरवेल बनाए गए

सूक्ष्म सिंचाई योजना के तहत गांव बूडीन, मांडोला, जेरपुर, कौथल एवं जेरपुर में बनाए हुए हैं। यहां भी रीचार्ज बोरवेल बनाए गए हैं। इस प्रकार कुल 157 रीचार्ज बोरवेल बनाए गए हैं। एक बोरवेल पर औसत लगभग 5 लाख की लागत आई है तथा इन सभी का ट्रायल रन किया जा रहा है। गांव बूडीन में 10, मांडोला में 11, जेरपुर में 18, कौथल में 12 तथा देवराली में 16 रीचार्ज बोरवेल बनाए गए है। इसके अलावा एनबी पंपहाउस झगडौली में 10, एनबी दो पंपहाउस सुरजनवास में 10 तथा एनबी तीन पंपहाउस चीतलांग में 10 रीचार्ज बोरवेल बनाए गए है। इसी प्रकार गांव कुराहवटा से लेकर गडानिया तक के सभी छह पंप हाउस पर 10 रीचार्ज बोरवेल जाएंगे।